BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

SUBJECT:- SANSKRIT

1 संस्कृत-वर्णमाला

किसी भी भाषा को पढ़ने से पहले उसकी **वर्णमाला** को जानना एवं समझना आवश्यक है। 'वर्णमाला', वर्णों के समूह को कहा जाता है। 'वर्ण' भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है।

संस्कृत वर्णमाला में कुल 46 वर्ण हैं जिन्हें दो भागों में बाँटा गया है—**स्वर** एवं **व्यंजन**।

स्वर

वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, **स्वर** कहलाते हैं। ये तेरह (13) होते हैं। इन्हें तीन भागों में बाँटा गया है—

1. **ह्रस्व स्वर** — अ इ उ ऋ ऌ

   इन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है अत: इन्हें **'ह्रस्व स्वर'** कहते हैं। आजकल संस्कृत में 'ऌ' स्वर का प्रयोग नहीं होता, इसका प्रयोग केवल वैदिक संस्कृत में ही देखा जाता है।

2. **दीर्घ स्वर** — आ ई ऊ ॠ

   इन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों के उच्चारण से दोगुना समय लगता है अत: ये **'दीर्घ स्वर'** कहलाते हैं।

3. **संयुक्त स्वर** — ए ऐ ओ औ

   इन स्वरों का निर्माण दो असमान स्वरों के मेल से होता है, अत: ये **'संयुक्त स्वर'** कहलाते हैं।

व्यञ्जन

संस्कृत में कुल 33 व्यंजन हैं। ये सभी व्यंजन मूल रूप से हलन्त वाले अर्थात् आधे होते हैं। स्वरों के सहयोग के बिना व्यंजनों का उच्चारण संभव नहीं है।

प्रत्येक व्यंजन को जिस स्वर का साथ मिलता है वह व्यंजन वैसा ही रूप धारण कर लेता है और उस व्यंजन का उसी स्वरूप के अनुसार उच्चारण होता है।

व्यंजनों के तीन प्रकार हैं—

1. **स्पर्श व्यञ्जन**— क् ख् ग् घ् ङ्
   च् छ् ज् झ् ञ्
   ट् ठ् ड् ढ् ण्

त् थ् द् ध् न्

प् फ् ब् भ् म्

'क्' से 'म्' तक के कुल 25 व्यंजन 'स्पर्श व्यंजन' कहलाते हैं। इनका उच्चारण करते समय जीभ मुख के अलग-अलग स्थानों का स्पर्श करती है अत: ये 'स्पर्श व्यंजन' कहलाते हैं।

2. **अन्त:स्थ व्यञ्जन** —य् र् ल् व्

'अन्त:' का अर्थ होता है—'भीतर'। उच्चारण के समय जो व्यंजन मुँह के भीतर ही रहें उन्हें 'अन्त:स्थ' कहते हैं।

3. **ऊष्म व्यञ्जन** — श् ष् स् ह्

'ऊष्म' का अर्थ होता है—'गरम'। इनके उच्चारण के समय मुख से गरम वायु निकलती है अत: इनका नाम 'ऊष्म व्यंजन' है।

अयोगवाह

अनुस्वार (ं) विसर्ग (:)—ये ऐसे चिह्न हैं जिनका प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं होता अत: ये वर्णमाला में नहीं हैं। ये चिह्न न स्वर हैं न व्यंजन फिर भी लेखन में काम आते हैं। विसर्ग (:) का प्रयोग संस्कृत में बहुत अधिक होता है।

संयुक्त व्यञ्जन

संयुक्त व्यञ्जन दो व्यञ्जनों के मेल से बनते हैं। ये निम्नलिखित हैं—

क् + ष् + अ = क्ष - **कक्षा**		द् + य् + अ = द्य - **विद्या**	
ज् + ञ् + अ = ज्ञ - **ज्ञान**		ह् + व् + अ = ह्व - **जिह्वा**	
प् + र् + अ = प्र - **प्रकाश**		श् + र् + अ = श्र - **श्रम**	
त् + र् + अ = त्र - **पत्र**		द् + ध् + अ = द्ध - **बुद्धि**	

वर्ण-विच्छेद

स्वर एवं व्यंजनों को आपस में अलग-अलग करने की प्रक्रिया 'वर्ण-विच्छेद' कहलाती है। उदाहरण—

बालक	- ब् + आ + ल् + अ + क् + अ	(अकारान्त)
बालिका	- ब् + आ + ल् + इ + क् + आ	(आकारान्त)
मति	- म् + अ + त् + इ	(इकारान्त)
नदी	- न् + अ + द् + ई	(ईकारान्त)

धेनु - ध् + ए + न् + उ (उकारान्त)

वधू - व् + अ + ध् + ऊ (ऊकारान्त)

पितृ - प् + इ + त् + ऋ (ऋकारान्त)

महत् - म् + अ + ह् + अ + त् (हलन्त)

वर्ण-संयोग

स्वर एवं व्यंजन को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को 'वर्ण-संयोग' कहते हैं। उदाहरण—

ज् + अ + न् + अ + क् + अ = जनक

य् + अ + ज् + ञ् + अ = यज्ञ

द् + ए + व् + अ + त् + आ = देवता

म् + इ + त् + र् + अ = मित्र

क्ष् + अ + म् + आ + श् + ई + ल् + अ = क्षमाशील

ल् + अ + त् + आ = लता

व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ = विद्यालय

प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ = प्रगति

अभ्यास:

यदि आप के पास संस्कृत की पुस्तक है तो आप प्रश्नों के उत्तर पुस्तक में लिखें और यदि नहीं है तो किसी कॉपी में या पृष्ठ पर भी कर सकते हैं। प्रश्नों के उत्तर पाठ में से ही ढूंढें –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) वर्णों के समूह को _____ कहते हैं।
(ख) संस्कृत वर्णमाला में कुल _____ वर्ण होते हैं।
(ग) स्वर _____ प्रकार के होते हैं।
(घ) विसर्ग को _____ कहते हैं।
(ङ) _____ व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं।

प्रश्न - 2 नीचे लिखे स्वरों को उचित स्तम्भों में लिखिए

[ऋ , आ , ओ , ए , ई , उ , इ , ऊ , औ]

ह्रस्व स्वर	दीर्घ स्वर	संयुक्त स्वर
1 ___	1 ___	1 ___
2 ___	2 ___	2 ___
3 ___	3 ___	3 ___

प्रश्न 3. नीचे लिखे व्यंजनों को उचित स्तंभ में लिखिए।

[श् , ट् , य् , ह् , र् , म् , ञ् , व् , ष्]

स्पर्श	अन्तःस्थ	ऊष्म
1 ___	1 ___	1 ___
2 ___	2 ___	2 ___
3 ___	3 ___	3 ___

प्रश्न 4. वर्ण-संयोग कीजिए –

(क) र् + आ + म् + अ = _____

(ख) प् + अ + श् + उ = _____

(ग) म् + अ + थ् + ऊ + र् + अः = _____

(घ) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् = _____

(ङ) व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ + म् = _____

प्रश्न 5. वर्ण-विच्छेद कीजिए।

(क) परिश्रमः –

(ख) महिला –

(ग) प्रमाणम् –

(घ) कक्षः –

(ङ) पुष्पम् –

प्रश्न 6. वर्णों का संयोग करके विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(क) छ् + आ + त् + र् + आ = _____ (छात्रः, छात्रा, छात्रा)

(ख) म् + ई + न् + अः = _____ (मीनः, मीना, मिना)

(ग) न् + ऋ + पः + अः = _____ (न्रपः, नृपः, न्रिपः)

(घ) च् + इ + त् + र् + अ + म् = _____ (चित्र, चित्रम्, चीत्र)

→ ——×